ये अव्यक्त इशारे

# ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

**5-11-2026**

जैसे हैं, जो भी परिस्थितियां सामने हैं, उन्हीं हालतों में रहते इस ही शरीर में हमको सम्पूर्ण बनना है, यह लक्ष्य रखो। आपका संगमयुगी सम्पूर्ण रूप शक्तियों और पाण्डवों के रूप में गाया हुआ है। जब इस स्वरूप में स्थित होंगे तब मालूम पड़ेगा कि हमारे भक्त कौनसे हैं और प्रजा कौनसी है। जो प्रजा होगी वह नज़दीक आयेंगे और जो भक्त होंगे वह पिछाड़ी में चरणों पर झुकेंगे।

## Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

**However you are and whatever circumstances you are in, you have to become complete while being in those circumstances and in that body. Keep this aim. Your perfect confluence-aged forms are remembered as Shaktis and Pandavas. When you stabilise yourselves in those forms, you will then know who your devotees are and who your subjects are. Those who are to be your subjects will come close to you and those who are to be your devotees will bow down at your feet.**